ईरान के साथ भारत-पाकिस्तान और चीन

यूएन में ईरान को मिली भारत की महत्वपूर्ण समर्थन

नई दिल्ली, 24 जनवरी. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में ईरान की मानवाधिकार स्थिति पर लाए गए प्रस्ताव पर भारत ने विरोध में वोट देकर स्पष्ट संकेत दिया कि वह देशों के आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप के पक्ष में नहीं है.

जेनेवा में हुई आपात बैठक में प्रस्ताव को बहुमत मिला, लेकिन भारत, चीन सहित सात देशों ने इसके खिलाफ मतदान किया, जबकि 14 देश तटस्थ रहे। यह मतदान ऐसे समय हुआ है जब पश्चिमी देश ईरान पर दबाव बढ़ा रहे हैं. भारत के रुख को उसकी स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति के रूप में देखा जा रहा है, जो रणनीतिक हितों और सिद्धांतों दोनों पर आधारित है. भारत के लिए ईरान ऊर्जा, कूटनीति और क्षेत्रीय संपर्क का अहम साझेदार यूएन मानवाधिकार परिषद में ईरान के मुद्दे पर हुई वोटिंग ने यह दिखा दिया कि दुनिया इस प्रश्न पर कितनी बंटी हुई है. पश्चिमी देश मानवाधिकार के आधार पर ईरान पर दबाव बढ़ाना चाहते हैं, जबकि भारत और चीन जैसे देशों ने इस प्रस्ताव का विरोध कर अलग संदेश दिया. भारत का वोट इसलिए भी अहम माना गया क्योंकि उसके ईरान के साथ लंबे समय से ऊर्जा, व्यापार और सामरिक संबंध रहे हैं. भारत ईरान से तेल आयात करता रहा है और चाबहार जैसे प्रोजेक्ट क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण हैं. भारत के रुख से यह संकेत गया कि वह मानवाधिकार के नाम पर राजनीतिक दबाव बनाने की प्रवृत्ति से दूरी रखता है और देशों के आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप का समर्थक नहीं है. यह उसकी पारंपरिक 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति के अनुरूप है. ईरान में विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत महिला अधिकारों के मुद्दे से हुई थी. ईरान के मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच और कड़े कदम के पक्ष में- ये देश ईरान के मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच और कड़े कदम के पक्ष में रहे. इनमें कई पश्चिमी तथा नाटो-सदस्य देश शामिल हैं- फ्रांस, मैक्सिको, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, जापान, नीदरलैंड्स, स्पेन, इटली, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, स्वीडन, नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आयरलैंड, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, पोलैंड, चेक गणराज्य, लिथुआनिया, लातविया, एस्टोनिया ये देश मानते हैं कि ईरान के आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए.

ईरानी कमांडर बोले उंगली ट्रिगर पर ही है

तेहरान, 24 जनवरी. ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर जनरल मोहम्मद पाकपॉर ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और उंगली ट्रिगर पर है, बस आदेश का इंतजार है. प्रदर्शनों को कुचलने में रिवोल्यूशनरी गार्ड ने सक्रिय भूमिका निभाई, जिसमें हजारों लोगों की मौत हुई. अमेरिका ने कार्रवाई की चेतावनी दी थी. ट्रंप ने दावा किया कि डर के कारण 800 फांसी पर रोक लगी, जिसे ईरानी ने खारिज किया. पाकपॉर का बयान ईरान की सैन्य ताकत और रणनीतिक तैयारियों का संकेत है.

आरडीएक्स से ट्रेन को उड़ाने की कोशिश

गणतंत्र दिवस से ठीक पहले पंजाब में बड़ा धमाका

चंडीगढ़, 24 जनवरी. गणतंत्र दिवस से ठीक पहले शुक्रवार देर रात तोड़फोड़ की एक घटना में अमृतसर-दिल्ली रेलवे लाइन पर सरहिंद रेलवे स्टेशन से कुछ दूर खानपुर गांव के पास एक धमाके से रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया.

आरडीएक्स से ट्रेन को उड़ाने की कोशिश की गई है. रेल अधिकारियों ने बताया कि यह हिस्सा मुख्य रूप से मालगाड़ियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है. एक मालगाड़ी खानपुर रेलवे गेट के पास जब पहुंची, तो कथित तौर पर एक जोरदार धमाके से ट्रैक का लगभग 12 फुट हिस्सा उड़ गया और एक लंबे हिस्से में काफी नुकसान पहुंचा. धमाके में मालगाड़ी के इंजन का लोको पायलट घायल हो गया और उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया. उसकी हालत स्थिर बतायी जा रही है. धमाके से आसपास के इलाकों में दहशत फैल गयी. घटना के तत्काल बाद पुलिस और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे, इलाके को घेर लिया और संयुक्त जांच शुरू की. शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, शुक्रवार रात करीब पौने 10 बजे कुछ अज्ञात लोगों ने रेलवे लाइन के किलोमीटर 1208/15 के पास एक विस्फोटक डिवाइस से धमाका किया.

सूत्रों ने हालांकि दावा किया कि इसमें हाई-ग्रेड विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया हो सकता है, लेकिन अधिकारियों ने विस्फोट के लिए इस्तेमाल पदार्थ की प्रकृति की जानकारी साझा नहीं की है. पुलिस उप महानिरीक्षक रोपड़ रेंज नानक सिंह ने बताया कि यह एक आपराधिक घटना है. उन्होंने कहा कि रात नौ बज कर पैंतालीस मिनट पर 'माइनर ब्लास्ट' हुआ है, यह कोई 'बड़ा ब्लास्ट' नहीं था. उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है, उसके बाद ही घटना का सही कारण बताया जा सकता है. उन्होंने कहा ट्रैक पर मरम्मत का काम शुरू हो गया है. ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किये गये हैं.

हर चुनौती का सामना करने रहें तैयार

रक्षा मंत्री सिंह ने एनसीसी शिविर में किया संबोधित

नई दिल्ली 24 जनवरी. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि अनिश्चितता के दौर से गुजर रही दुनिया में देश के युवाओं का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से सशक्त रहना तथा हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना अत्यंत आवश्यक है.

उन्होंने युवाओं से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देशभर में आयोजित मॉक ड्रिल्स में जन-जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले साहसी और समर्पित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों से प्रेरणा लेने का भी आह्वान किया. उन्होंने कहा हमारे सैनिकों ने साहस और संयम के साथ कार्रवाई की. श्री सिंह ने दिल्ली छावनी में एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेटों को संबोधित किया.

रक्षा मंत्री ने युवाओं की तुलना महाभारत के अभिमन्यु से की जो किसी भी प्रकार के चक्रव्यूह में प्रवेश करना और उससे विजयी होकर बाहर निकलना जानते हैं. उन्होंने युवाओं से सरकार के विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने में योगदान देने का आह्वान किया. उन्होंने कहा, हम ऐसे समय में प्रवेश कर चुके हैं जहां युवाओं से अपेक्षाएं बढ़ गई हैं. वे राष्ट्र की अमूल्य संपत्ति हैं और देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है. श्री सिंह ने एनसीसी को युवाओं को सशक्त बनाने का एक उत्कृष्ट माध्यम बताया जो बदले में राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान देते हैं. आज की दुनिया आराम बेच रही है. वीडियो गेम, फूड डिलीवरी और इस तरह की कई चीजें मानव जीवन में सुविधा लाने के लिए हैं.

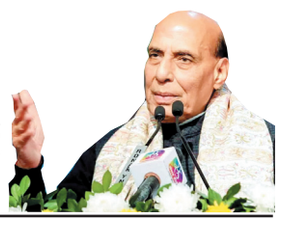

'सफेद आफत' से उड़ानें रद्द और हाईवे जाम

पहाड़ों पर बर्फबारी से ठिठुरे मैदानी इलाके, राजस्थान में 10 डिग्री तक गिरा पारा

नई दिल्ली, 24 जनवरी . उत्तरी भारतीय राज्य जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में जमकर बर्फबारी हो रही है. शिमला, मनाली, मसूरी, कटरा चारों ओर बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है.

एक ओर जहां पर्यटक बर्फबारी का लुत्फ उठा रहे हैं, तो दूसरी ओर स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. वहीं एयरपोर्ट पर उड़ाने रद्द हो गई है और सड़कों पर गाड़ियों का जमावड़ा लगा हुआ है.

न्यूयॉर्क और नेवार्क के लिए जाने वाली सभी उड़ानें रद्द

वाशिंगटन. अमेरिका के ईस्ट कोस्ट में आने वाले भीषण सर्दीले तूफान को देखते हुए एअर इंडिया ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है. भारी बर्फबारी और खराब मौसम की चेतावनी के बीच सुरक्षा कारणों से न्यूयॉर्क और नेवार्क के लिए उड़ानें रद्द कर दी गई हैं. एअर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि अमेरिका के न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के इलाकों में रविवार सुबह से सोमवार तक भारी बर्फबारी वाला सर्दी का तूफान आने की संभावना है.

गुजरात के कच्छ में लहराएगा दुनिया का सबसे बड़ा तिरंगा

नई दिल्ली, 24 जनवरी. गणतंत्र दिवस पर गुजरात के कच्छ जिले में खादी ग्रामोद्योग से निर्मित दुनिया का सबसे बड़ा तिरंगा फहराया जाएगा.

खादी ग्रामाद्योग आयोग ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से 77वें गणतंत्र दिवस पर इस बार कच्छ के धोरडो क्षेत्र (रन ऑफ कच्छ) में खादी से निर्मित दुनिया का सबसे विशाल राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) पूरे सम्मान और गरिमा के साथ प्रदर्शित किया जाएगा. आयोग ने इसे ऐतिहासिक और राष्ट्र गौरव से परिपूर्ण आयोजन बताया और कहा कि ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत इस दौरान गुजरात के कारीगरों को मशीन और टूलकिट का वितरण भी किया जाएगा. यह कार्यक्रम 26 जनवरी को प्रात: 8.30 बजे आयोजित होगा.

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी तथा खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार होंगे. इस अवसर पर विशाल तिरंगे को भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल के जवानों द्वारा सलामी दी जाएगी.

मणिपुर में बड़े पैमाने पर हथियार बरामद

इंफाल. मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद करते हुए एक सक्रिय उग्रवादी कैडर को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को इंफाल पूर्व जिले के सागोलमांग थाना क्षेत्र के अंतर्गत चानुंग पहाड़ी श्रृंखला की तलहटी से हथियारों और उपकरणों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया. सुरक्षा बलों ने सैकड़ों एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को भी नष्ट किया है. तेंगनौपाल जिले के मोरेह थाना क्षेत्र के अंतर्गत बॉर्डर पिलर नंबर-79 के पास पांगल बस्ती इलाके से एक उग्रवादी संगठन के सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया गया.

कनाडा को खा जाएगा चीन

वॉशिंगटन, 24 जनवरी. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर 'गोल्डन डोम' बनाने का प्रस्ताव ठुकराने के लिये कनाडा की आलोचना करते हुए कहा है कि चीन उनके देश को खा सकता है.

श्री ट्रंप ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर साझा किये गये एक पोस्ट में कहा, कनाडा ग्रीनलैंड पर गोल्डन डोम बनाने का विरोध कर रहा है, हालांकि यह कनाडा की रक्षा करेगा. इसके बजाय, उन्होंने चीन के साथ व्यापार करने का फैसला किया है जो उन्हें पहले ही साल में खा जायेगा. श्री ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और कनाडा के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है. कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में

अपने भाषण में कहा था कि नियम-आधारित व्यवस्था लुप्त होती जा रही है. उन्होंने यहां चीन के साथ सात अरब डॉलर के एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये थे, जिसमें चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ हटाना भी शामिल था. श्री ट्रंप ने कहा था, कनाडा अमेरिका की वजह से जिंदा है.

ट्रंप ने कहा : नाटो सैनिक लड़ाई से दूर रहे

वॉशिंगटन 24 जनवरी. अफगानिस्तान युद्ध, जिसे दुनिया के सबसे लंबे और जटिल सैन्य अभियानों में गिना जाता है, एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ गया है.

इस बार वजह हैं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के वे बयान, जिनमें उन्होंने नाटो और यूरोपीय देशों की भूमिका को कमतर बताया. ट्रम्प ने दावा किया कि अफगानिस्तान में असली लड़ाई अमेरिका ने लड़ी और यूरोपीय सहयोगी फ्रंट लाइन से पीछे रहे. इन बयानों ने न सिर्फ यूरोपीय सरकारों को नाराज़ किया है, बल्कि उन हजारों सैनिकों और उनके परिवारों के जख्म भी हरे कर दिए हैं, जिन्होंने इस युद्ध में जान गंवाई या अपनों को खोया. ब्रिटेन, पोलैंड, नीदरलैंड और अन्य नाटो देशों ने एक सुर में ट्रम्प के दावों को गलत और अपमानजनक बताया है. ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से लेकर प्रिंस हैरी तक, कई प्रमुख हस्तियों ने सार्वजनिक रूप से इस बयान की आलोचना की है. उनका कहना है कि अफगानिस्तान में नाटो सैनिकों ने कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी और उनके बलिदानों को नकारा नहीं जा सकता. ट्रम्प के इस बयान पर सबसे तीखी प्रतिक्रिया ब्रिटेन से आई है. ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इसे अपमानजनक और चौंकाने वाला बताया. ट्रंप ने कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को गवर्नर कार्नी कहते हुए कहा कि चीन को इलेक्ट्रिक वाहनों का इंपोर्ट बढ़ाने की इजाजत देकर कनाडा ने बड़ी गलती की है.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कनाडा को धमकी दी है कि अगर वह चीन के साथ ट्रेड डील करता है तो उस पर अमेरिका 100 फीसदी टैरिफ लगाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को धमकी दी है कि अगर वह चीन के साथ ट्रेड डील करता है, तो अमेरिका उसके सभी एक्सपोर्ट पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगा देगा, जिससे अमेरिका व उसके उत्तरी पड़ोसी के बीच तनाव बढ़ गया है. अमेरिका और कनाडा के बीच फिर से तनाव बढ़ गया है. ट्रंप ने पहले रूस से तेल आयात करने को लेकर भारत समेत कई देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाया हुआ है.

एक नजर में

पाक में शादी की खुशियों के बीच पसरा मातम

इस्लामाबाद, 24 जनवरी. पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में एक शादी समारोह में आत्मघाती हमला हुआ. इस हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हैं. घटना को लेकर पुलिस ने कहा कि यह आत्मघाती हमला था. उन्होंने कहा कि शादी समारोह में मेहमान डांस कर रहे थे तभी हमलावर ने खुद को उड़ाया. विस्फोट के बाद कमरे की छत गिर गई, जिससे बचाव कार्य में काफी बाधा आई और मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचना मुश्किल हो गया. पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कहा कि इलाके की घेराबंदी शुरू कर दी है. उन्होंने कहा कि शांति समिति के एक प्रमुख सदस्य वहीदुल्लाह महसूद उर्फ जिगरी महसूद भी मारे गए लोगों में शामिल हैं.

दक्षिण कोलंबिया में धमाके से सात की मौत

बोगोटा, 24 जनवरी. कोलंबिया के दक्षिणी नारिनो प्रांत के टुमाको के एक ग्रामीण इलाके में विस्फोट होने से सात लोग मारे गये जबकि आठ से ज्यादा घायल हो गये हैं. स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट गुरुवार देर रात लोरेंटे जिले के एक गांव में हुआ, जो टुमाको से लगभग 25 किलोमीटर दूरी पर स्थित है. नारिनो के गवर्नर लुइस अल्फोंसो एस्कोबार ने कहा कि विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है. उन्होंने बताया कि यह घटना सशस्त्र संघर्ष से संबंधित नहीं थी. स्थानीय मीडिया के अनुसार हालांकि विस्फोट संभवत: एक घर के अंदर गैस सिलेंडर फटने से हुआ था.

विश्वनाथ धाम में बाबा 9 दिनों तक सुनेंगे रामकथा

वाराणसी, 24 जनवरी. माघ शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से पूर्णिमा तक नौ दिनों तक काशी विश्वनाथ धाम में बाबा श्री काशी विश्वनाथ रामकथा सुनेंगे. शनिवार को अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती, महामंडलेश्वर अरुण दास, आचार्य सूर्यालाल शास्त्री, महंत देवेशाचार्य हनुमान गढ़ी और देवेंद्र पाठक ने मां श्रृंगार गौरी का विधि-विधान से मंत्रोच्चार के साथ पूजन कर कथा का शुभारंभ किया. स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने बताया कि 19 अप्रैल 1669 को औरंगजेब ने मंदिर तोड़ा था. इसके कुछ ही दिनों बाद ब्राह्मणों ने मां श्रृंगार गौरी मंदिर के अवशेषों को सुरक्षित रखकर श्री काशी विश्वनाथ जी की रामकथा सुनाने की परंपरा शुरू की थी. यह परंपरा 1965 तक बिना किसी लिखित प्रमाण के चली आ रही थी.

सीएम नीतीश ने दी 152 करोड़ की सौगात

पटना, 24 जनवरी. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को समृद्धि यात्रा के दौरान वैशाली जिले में 152 करोड़ रुपये की लागत से 128 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया.

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने आज समृद्धि यात्रा के क्रम में पानापुर बाबा बटेश्वरनाथ धाम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर वैशाली जिले के लिए 54 करोड़ रुपये की 25 योजनाओं का शिलान्यास एवं 98 करोड़ रुपये की 103 योजनाओं का उद्घाटन किया. यह एक बरसाती नदी है जिसकी कुल लम्बाई 212.80 किलोमीटर है. यह नदी पूर्वी चम्पारण जिला से निकलकर मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर जिला होते हुए बेगूसराय जिला अंतर्गत तेघड़ा प्रखण्ड के चकिया ग्राम के नजदीक गंगा नदी में मिल जाती है. मुख्यमंत्री ने वैशाली जिले में विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का जायजा लिया. उन्होंने जायजा के क्रम में वैशाली जिला अंतर्गत महुआ प्रखंड स्थित वाया नदी योजना स्थल पर वाया नदी में गाद उड़ाही कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया. अधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री कुमार को वाया नदी के गाद उड़ाही कार्य की प्रगति एवं अद्यतन स्थिति की जानकारी दी. प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बरैला झील में पानी लाने, अधिक जलस्तर होने पर जलनिकासी किए जाने से संबंधित कार्य, सहित अन्य विकासात्मक योजनाओं के प्रगति की विस्तृत जानकारी दी.

इंडिगो ने एयरपोर्ट पर 717 स्लॉट किए खाली

नई दिल्ली. देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने विभिन्न घरेलू हवाई अड्डों पर 700 से अधिक स्लॉट खाली कर दिए हैं. दिसंबर की शुरुआत में परिचालन में भारी व्यवधान को देखते हुए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन की सर्दियों की उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी थी, जिसके बाद कंपनी ने यह कदम उठाया. हवाई अड्डे पर किसी विमान के उड़ान भरने और उतरने के लिए दिए गए निश्चित समय को स्लॉट कहा जाता है. सूत्रों ने बताया कि खाली किए गए कुल 717 स्लॉट में से 364 दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे छह प्रमुख मेट्रो हवाई अड्डों के हैं.

आज का इतिहास

1666 इंग्लैंड के शहर लंदन में लगी भीषण आग में 13,200 घर क्षतिग्रस्त हो गये।

1836 मशहूर अमेरिकी राजनीतिज्ञ सैम ह्यूस्टन टेक्सास गणराज्य के नए राष्ट्रपति नियुक्त किए गए।

1839 चीन और ब्रिटेन के बीच प्रथम अफीम युद्ध की शुरुआत

1882 पहला अमेरिका श्रम दिवस परेड न्यूयॉर्क शहर में आयोजित किया गया।

1885 अमेरिका के इंडियाना स्थित फोर्ट वेयन में पहली बार गैसोलीन पंप की स्थापना

1887 इंग्लैंड के थिएटर रॉयल एक्सेटर में आग लगने से 186 लोगों की मौत।

अमेरिका में रखे स्वर्ण भंडार को वापस लाए बर्लिन

बर्लिन, 24 जनवरी. जर्मनी की एक सांसद ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अनिश्चित और अप्रत्याशित नीतियों का हवाला देते हुए अमेरिका में रखे देश के स्वर्ण भंडार को स्वदेश वापस लाने की मांग की है.

जर्मनी की फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी (एफडीपी) की सांसद मैरी-एग्नेस स्ट्रैक-जिम्मरमैन ने जर्मन पत्रिका डेर स्पीगल से कहा कि बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच स्वर्ण भंडार को अमेरिका में रखना अब स्वीकार्य नहीं है. उन्होंने कहा कि भंडार की वापसी से जर्मनी की आर्थिक और सुरक्षा नीति में संप्रभुता मजबूत होगी. सुश्री स्ट्रैक-जिम्मरमैन ने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में यह कदम रणनीतिक जोखिम को कम कर सकता है. उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में और राष्ट्रपति ट्रंप की अप्रत्याशित अमेरिकी नीतियों के तहत यह अब स्वीकार्य नहीं है कि 1,230 टन से अधिक की कीमत के जर्मनी के लगभग 37 प्रतिशत स्वर्ण भंडार न्यूयॉर्क में रखे जाएं. जर्मनी का केंद्रीय बैंक बुंडेसबैंक वर्तमान में न्यूयॉर्क स्थित अमेरिकी केंद्रीय रिजर्व में 1,236 टन सोना रखता है, जिसकी कीमत लगभग 178 अरब डॉलर आंकी है. ऐतिहासिक कारणों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ी सुविधाओं के चलते दशकों से जर्मनी के स्वर्ण भंडार का बड़ा हिस्सा विदेशों में रखा जाता रहा है.

एफटीए वार्ता रक्षा, सुरक्षा और व्यापार सहयोग विस्तार पर फोकस; 27 को शिखर सम्मेलन

भारत-ईयू संघ में हो सकता है व्यापार समझौता

नई दिल्ली, 24 जनवरी. यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख सुश्री काजा कल्लास शनिवार को अपनी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर राजधानी पहुंचीं. उनकी इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा, सुरक्षा और व्यापार क्षेत्र में भारत व यूरोपीय संघ के बीच सहयोग का और विस्तार करना है.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि यह भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का एक उपयुक्त समय है, जो नियमित उच्च-स्तरीय संवादों की गति पर आधारित है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ईयू की उच्चस्तीय प्रतिनिधि और उपाध्यक्ष काजा कल्लास का उनकी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर हार्दिक स्वागत है. यह यात्रा भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने का उपयुक्त अवसर है, जो नियमित उच्च-स्तरीय सहभागिताओं की गति पर आधारित है. भारत और यूरोपीय संघ उस ऐतिहासिक व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं जो अब तक का सबसे बड़ा समझौता हो सकता है. यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत-ईयू के बीच प्रस्तावित समझौते के बारे में पिछले दिनों दावोस में विश्व आर्थिक मंच में अपने भाषणा में कहा कि दोनों पक्ष समझौते के करीब है और यह लगभग 2 अरब लोगों का एक विशाल बाजार तैयार करेगा. वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यह नया समझौता वैश्विक सकल जीडीपी के लगभग एक-चौथाई हिस्से को समेटेगा.

सुश्री काजा कल्लास ने कुछ दिन पहले यूरोपीय संसद में कहा था कि भारत के साथ एक नए एजेंडा पर काम करने के लिए यूरोप तैयार है. उन्होंने यह भी घोषणा की कि यूरोपीय संघ ने एक नई सुरक्षा और रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर करने की दिशा में आगे बढ़ने पर सहमति दे दी है. यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा व यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, गणतंत्र दिवस पर मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि होंगे.

रूस-अमेरिका-यूक्रेन बातचीत जारी रहेगी

अबू धाबी. अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा है कि रूस, अमेरिका और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय बैठक सकारात्मक रही है और यह बातचीत जारी रहेगी. एनबीसी ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है. गौरतलब है कि फरवरी 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद पहली बार तीनों पक्ष त्रिपक्षीय रूप में मिल रहे हैं और बातचीत का पहला दिन खत्म होने के बाद कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया. रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने कहा है कि राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव और जीआरयू सैन्य खुफिया प्रमुख एडमिरल इगोर कोस्त्युकोव के नेतृत्व वाली रूसी टीम सुरक्षा मामलों पर ध्यान केंद्रित करेगी.